केवल यीशु मसीह ही बचाता है

और वह एक पुत्र जनेगी, और तू उसका नाम यीशु रखना; क्योंकि वह अपनी प्रजा को उनके पापों से छुड़ाएगा। मत्ती 1:21

क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा, कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए। जॉन 3:6

यीशु ने उस से कहा, मार्ग और सत्य और जीवन मैं ही हूं; बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुंच सकता। यूहन्ना 14:6

किसी दूसरे से उद्धार नहीं; क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें। अधिनियम 4:12

...शास्त्रों के अनुसार मसीह हमारे पापों के लिए मर गया;
और वह गाड़ा गया, और पवित्र शास्त्र के अनुसार तीसरे
दिन जी उठा: 1 कुरिन्थियों 15:3-4

जिस में हमें उसके लहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात् पापों की क्षमा, उसके अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है; इफिसियों 1:7

And the gospel must first be published among all nations. MARK 13:10

चार सत्य हैं जनि्हें हमें पूरी तरह से समझने की आवश्यकता है:

1 भगवान तुम्हे प्यार करते है

परमेश्वर चाहता है कआिप उसके साथ स्वर्ग में अनन्त जीवन पाएं।
क्योंकपिरमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कउिस ने अपना एकलौता
पुत्र दे दयिा, ताकजिो कोई उस पर वशि्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु
अनन्त जीवन पाए। यूहन्ना 3:16

परमेश्वर चाहता है कआिपका जीवन प्रचुर और अर्थपूर्ण हो।
चोर कसिी और काम के लयि नहीं परन्तु केवल चोरी करने और घात करने
और नष्ट करने को आता है। मैं इसलयि आया कवि जीवन पाएं, और
बहुतायत से पाएं। यूहन्ना 10:10

हालांक,ि बहुत से लोग एक सार्थक जीवन का अनुभव नहीं करते हैं और
अनंत जीवन के बारे में अनशि्चति हैं क्योंकि...

2 मनुष्य स्वभाव से पापी है। इसलिए वह भगवान से अलग हो गया है।

इसलयि कसिब ने पाप कयिा है और परमेश्वर की महमिा से रहति हैं।
रोमयिो 3:23
क्योंकपिाप की मजदूरी तो मृत्यु है... रोमयिो 6:23

और जैसे मनुष्यों के लयि एक बार मरना और उसके बाद न्याय का होना
नयिुक्त है। इब्रानयिों 9:27
पर डरपोकों, और अवशि्वासयिों, और घनिौनों, और हत्यारों, और
व्यभचिारयिों, और टोन्हों, और मूर्तपिूजकों, और सब झूठों का भाग उस
झील में मलिेगा, जो आग और गन्धक से जलती रहती है: यह दूसरी मृत्यु है॥
प्रकाशति वाक्य 21:8

यदि मनुष्य अपने पाप के कारण परमेश्वर से अलग हो जाता है, तो इस समस्या का समाधान क्या है?
हम अक्सर इन्हें समाधान के रूप में सोचते हैं:
धर्म, अच्छे कर्म, नैतकिता
हालांकि, भगवान द्वारा प्रदान कयिा गया केवल एक ही समाधान है।

3 यीशु मसीह ही स्वर्ग का एकमात्र मार्ग है।

यीशु ने उस से कहा, मार्ग और सच्चाई और जीवन मैं ही हूं; बनिा मेरे द्वारा कोई पति के पास नहीं पहुंच सकता। यूहन्ना 14:6
इसलयि कि मसीह ने भी, अर्थात अधमर्यिों के लयि धर्मी ने पापों के कारण एक बार दुख उठाया, ताकि हमें परमेश्वर के पास पहुंचाए: वह शरीर के भाव से तो घात कयिा गया, पर आत्मा के भाव से जलिाया गया। 1 पतरस 3:18
जो पुत्र पर वशि्वास करता है, अनन्त जीवन उसका है; परन्तु जो पुत्र की नहीं मानता, वह जीवन को नहीं देखेगा, परन्तु परमेश्वर का क्रोध उस पर रहता है॥ यूहन्ना 3:36
हालाँकि, केवल यह जानना पर्याप्त नहीं है कि यीशु मसीह ने हमारे लिए क्या कयिा है।

4 हमें अपने उद्धार के लिए प्रभु यीशु मसीह में अपना वशि्वास रखना चाहिए।

हमारा उद्धार यीशु मसीह में वशि्वास के द्वारा परमेश्वर की कृपा से संभव हुआ है।
क्योंकि वशि्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, और यह तुम्हारी ओर से नहीं, वरन परमेश्वर का दान है। और न कर्मों के कारण, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे। इफसियिों 2:8-9

ईश्वर से यह प्रार्थना वशि्वास के साथ कहें:
प्रभु यीशु, मेरे लिए आपके महान प्रेम के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं स्वीकार करता हूँ कि मैं एक पापी हूँ और मैं क्षमा माँगता हूँ। मेरे पापों के दंड का भुगतान करने के लिए क्रूस पर मरने के लिए धन्यवाद। मैं आपके मृतकों में से जी उठने में वशि्वास करता हूं। अब से, मैं आप पर अपने प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में भरोसा करता हूं। मैं आपके अनन्त जीवन के उपहार को स्वीकार करता हूँ और मैं अपना जीवन आपको समर्पति करता हूँ। तेरी आज्ञाओं का पालन करने और तेरी दृष्टि में अच्छा होने में मेरी सहायता कर। तथास्तु।

यदि आप यीशु मसीह में वशि्वास करते हैं, तो आपके साथ नम्निलखिति हुआ है:
• आपके पास परमेश्वर के साथ अनन्त जीवन है।
क्योंकि मेरे पिता की इच्छा यह है, कि जो कोई पुत्र को देखे, और उस पर वशि्वास करे, वह अनन्त जीवन पाए; और मैं उसे अंतमि दिन फरि जलिा उठाऊंगा। यूहन्ना 6:40
• आपके सभी पाप क्षमा कर दिए गए हैं।
(भूतकाल वर्तमानकाल भवषि्यकाल)
उसी ने हमें अन्धकार के वश से छुड़ाकर अपने प्रयि पुत्र के राज्य में प्रवेश कराया। जसि में हमें छुटकारा अर्थात पापों की क्षमा प्राप्त होती है। कुलुस्सयिों 1:13-14
• आप परमेश्वर की दृष्टि में बलि्कुल नए प्राणी हैं।
यह आपके नए जीवन की शुरुआत है।
सो यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है: पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, वे सब नई हो गईं। 2 कुरन्थियिों 5:17
• अब तुम परमेश्वर की सन्तान हो।
परन्तु जतिनों ने उसे ग्रहण कयिा, उस ने उन्हें परमेश्वर के सन्तान होने का अधकिार दयिा, अर्थात उन्हें जो उसके नाम पर वशि्वास रखते हैं। यूहन्ना 1:12

अच्छे कर्म करना मोक्ष का साधन नहीं है, बल्कि हमारे उद्धार का प्रमाण है।